कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–023

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एस.के.–023 : संस्कृत में रसायन, धातु, चिकित्सा एवं वनस्पति विज्ञान का प्रायोगिक स्वरूप

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य है। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी एक ही भाषा हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित ह।*

3×20=60

1. भारत में रसायन विज्ञान के विकासक्रम को स्पष्ट करते हुए वैदिक युग तथा चरक युग में प्रचलित रसायन विज्ञान की परम्परा का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

2. पारम्परिक तथा आधुनिक प्रयोगशाला के स्वरूप का वर्णन करते हुए उनमें होने वाले प्रयुक्त उपकरण एवं यन्त्रों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. भारत के प्राचीन काँच, ताम्र, लौह के संदर्भों/साक्ष्यों पर तथा दिल्ली के लौह स्तम्भ पर विस्तृत रूप से विवेचना कीजिए।

4. चरक संहिता एवं सुश्रुत संहिता के चिकित्सीय तत्वों पर प्रकाश डालिए।

5. 'हृदय' शब्द की व्युत्पत्ति का वर्णन करते हुए हृदय के पर्यायों का वर्णन कीजिए।

6. शरीर संरचना विज्ञान का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित ह।*

$4 \times 10 = 40$

7. पौधों के परासरण के सिद्धांत एवं उसके कारणों को स्पष्ट कीजिए।

8. स्वर्ण की सामान्य जानकारी देते हुए स्वर्ण शोधन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

9. श्वसन का संक्षिप्त वर्णन करते हुए मानव श्वसन तंत्र को स्पष्ट कीजिए।

10. प्रकाश-संश्लेषण का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

11. कलम लगाने के सिद्धान्तों का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

12. मनोरोग के कारण व निदान को स्पष्ट कीजिए।

13. औषधि पादप पर विस्तारपूर्वक लिखिए।